पाठ योजना क्रमांक - 03

छात्राध्यापक का नाम	-	भोजकुमार लहरे
विद्यालय का नाम	-	शास० उच्च० माध्य० विद्यालय फुण्डहर
कक्षा	-	9वी
विषय	-	हिन्दी
दिनांक	-	09/09/2019
दिन	-	सोमवार
प्रकरण	-	स्वर संधि
समय	-	40 मिनट
कालखण्ड	-	तीसरा

शिक्षणात्मक प्राप्य उद्देश्य:-

(1) विद्यार्थी स्वरसंधि के प्रकारों को जान सकेंगे।
(2) वे स्वर संधि को परिभाषित कर सकेंगे।
(3) विद्यार्थी स्वर संधि की पहचान कर सकेंगे।
(4) विद्यार्थी अपने लेखन कार्य में स्वर संधि का उचित उपयोग कर सकेंगे।

Scanned with CamScanner

सहायक शिक्षण सामग्री :- चार्ट

पूर्व अपेक्षित ज्ञान :-

विद्यार्थी विद्यार्थियों को स्वर वर्णों में लघु व दीर्घ स्वर वर्णों का ज्ञान है।

प्रस्तावना के प्रश्न :-

क्र०	प्रश्न	संभावित उत्तर
1	प्रश्न- कोयल क्या गीत गाती है?	उत्तर- कोयल कुहु-कुहु के गीत गाती है।
2.	प्रश्न- कोयल की कुहु कुहु गीत हमें कैसे लगती है?	उत्तर- कोयल की कुहु कुहु गीत हमें मधुर लगती है।
3	प्रश्न- कोयल की कुहुकुहु हमें अच्छी क्यों लगती है।	उत्तर- क्योंकि कोयल की आवाज मीठी होती है।

Scanned with CamScanner

उद्देश्य कथन → बच्चों आज हम स्वर संधि और स्वर संधि के प्रकारों का अध्ययन करेंगे।

शिक्षण विधि : (i) व्याख्यान विधि
(ii) प्रदर्शन विधि
(iii) निगमन विधि

शिक्षण प्रविधि :- प्रश्नोत्तर फ्लो चार्ट।

शिक्षण सूत्र :- (i) अज्ञात से ज्ञात की ओर
(ii) कठिन से सरल की ओर

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	शिक्षक गतिविधि	छात्र गतिविधि	श्यामपट कार्य
स्वर संधि	स्वर संधि	छात्र ध्यान से	स्वर संधि-

Scanned with CamScanner

	अर्थात दो स्वर वर्णों का मेल जैसे - अ + अ = आ	सुनेंगे	दो समान स्वर वर्णों का मेल
स्वर संधि की परिभाषा	परिभाषा :- दो स्वर वर्णों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है उसे स्वर संधि कहते हैं। अर्थात दो वर्णों के योग से नये स्वर वर्ण का उत्पन्न होना।		परिभाषा :- दो स्वर वर्णों के मेल से नया परिवर्तन
उदाहरण	जैसे- अ + अ = आ अ + इ = ए इ + ई = ई अ + ए = ऐ उ + उ = ऊ	छात्र अपने अपने नामों की संधि बनायेंगे जैसे - परमानंद परम + आनंद (अ + आ = आ)	उदा- राम + अवतार = रामावतार रमा + ईश = रमेश भानु + उदय = भानूदय

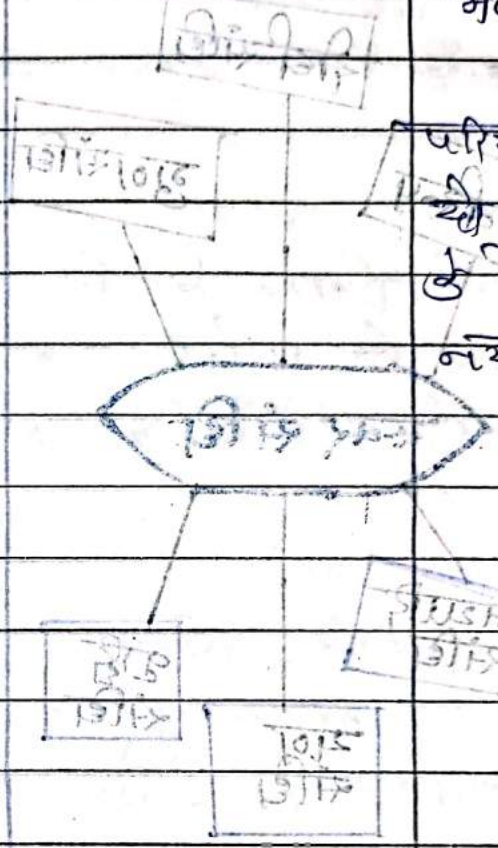

Scanned with CamScanner

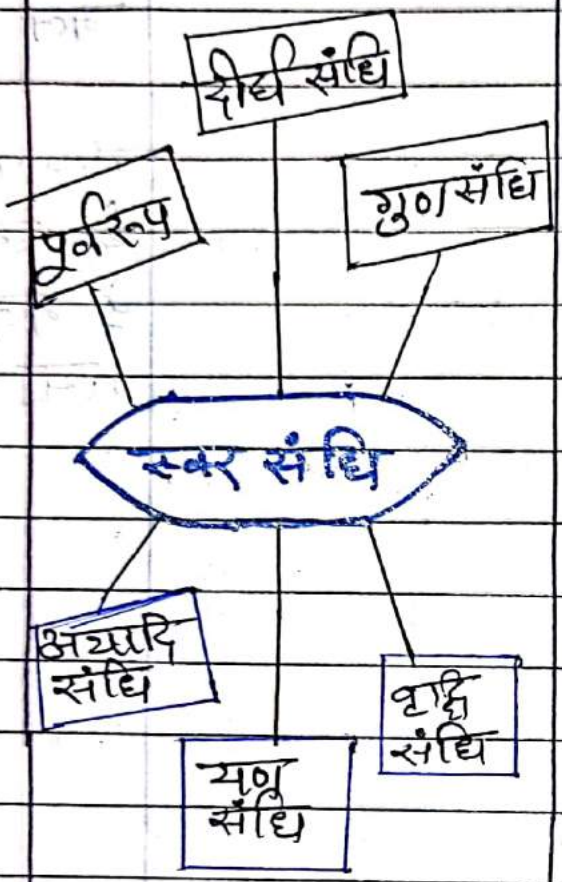

स्वर संधि के प्रकार	छः प्रकार के होते है ->	विद्यार्थी अपनी ओंच पुस्तिका में लिखेंगे।	स्वर संधि के प्रकार- (i) दीर्घ स्वर संधि (ii) गुण स्वर संधि (iii) वृद्धि संधि (iv) अयादि स्वर संधि (v) यण स्वर संधि (vi) पूर्व रूप स्वर संधि
दीर्घ स्वर संधि	जब कोई भी दो समान स्वर वर्ण आपस में योग करके नया दीर्घ स्वर बनाते हैं उसे दीर्घ स्वर संधि कहते है।		
उदा० ->	महा + आत्मा = महात्मा प्रश्न - दीर्घ स्वर संधि के अन्य उदाहरण बताइये	उत्तर = विद्या + अर्थी विद्यार्थी	उदा० विद्या + अर्थी

शिक्षणात्मक प्राप्य उद्देश्य आधारित:

प्रश्न 1 स्वर संधि किसे कहते हैं?
प्रश्न 2 स्वर संधि की परिभाषा बताइये?
प्रश्न 3 शम्भवतार में किन वर्णों की संधि है?

कक्षा कार्य:- (1) जिन बच्चों के नामों में स्वर संधि का प्रयोग हो वो अपने अपने नामों की संधि विच्छेद करेंगे।

गृहकार्य:- निम्न लिखित शब्दों की संधि कीजिए कुश+आसन धन+अर्थी सत्य+अर्थी देव+आलय

हस्ताक्षर कोऑध्यापक

अभिमत:-

हस्ताक्षर मेंटर हस्ताक्षर सुपरवाइजर